Name of Subject :- Sociology
Class :- B.I (H) Paper :- I
Topic :- समाजशास्त्र (Sociology)
Dr. Shyamanand Choudhary
Guest Teacher
Marwari college, Darbhanga, 9507941619

समाजशास्त्र

शाब्दिक अर्थ की दृष्टि से विचार करने पर हम पाते हैं कि sociology समाजशास्त्र की उत्पत्ति दो शब्दों के संयोग से हुयी है। ये दो शब्द हैं :- Socius और Logas, पहला शब्द लैटिन भाषा से लिया गया है और इसका अर्थ होता है समाज तथा दूसरा शब्द ग्रीक भाषा से लिया गया है जिसका अर्थ होता है विज्ञान। इस प्रकार sociology का शाब्दिक अर्थ समाज का अध्ययन करने वाला विज्ञान है। J. S. mill के विचारानुसार sociology दो भिन्न भाषाओं की एक अवैध संतान है। इसलिए इन्होंने sociology शब्द की जगह Ethology शब्द का प्रयोग करने का सुझाव दिया था। आज अधिकांश विद्वान J. S. mill के विचार से सहमत नहीं है। फ्रांस के सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री जिन्होंने सन् 1838 ई० में इसे जन्म दिया। एक नवीन विज्ञान के रूप में जन्म देने के कारण ही Auguste comte को समाजशास्त्र के पिता या जन्मदाता माना जाता है।

अर्थ एवं परिभाषा

जब हम इस प्रश्न पर विचार करते हैं कि समाजशास्त्र क्या है तो विभिन्न समाजशास्त्रियों के विचारों में भिन्नता देखने को मिलती है। लेकिन इतना आवश्यक है कि अधिकांश समाजशास्त्री समाजशास्त्र को समाज का विज्ञान मानते हैं। वस्तुत: समाजशास्त्र की परिभाषा का प्रश्न एक विवादास्पद प्रश्न बना हुआ है। समाजशास्त्र की परिभाषाओं को मुख्यतया चार भागों में

Scanned with CamScanner

वर्गीकृत करके इसे आसानी से समझा जा सकता है :-

1. समाजशास्त्र समाज के अध्ययन के रूप में :- F.H. Giddings, W.G. Sumner, L.F Ward, P.A Sorokin आदि विद्वानों ने समाजशास्त्र को परिभाषित करते हुये लिखा है कि "समाजशास्त्र समाज का क्रमबद्ध वर्णन और व्याख्या करनेवाला शास्त्र है।" (Sociology is the scientific study of society)

2. समाजशास्त्र सामाजिक सम्बन्धों के रूप में :- A.M. Rose ने अपनी पुस्तक 'Sociology the study of human Relation' में समाजशास्त्र को परिभाषित करते हुये लिखा है कि "समाजशास्त्र मानव सम्बन्धों का अध्ययन करने वाला विज्ञान है।" R.M. Maciver तथा J.F. Cuber ने भी लिखा है कि "समाजशास्त्र सामाजिक सम्बन्धों के विषय में है।" (Sociology is about Social Relationship)

3. सामाजिक अन्त: क्रियाओं के रूप में :- Gillin & Gillin, Ginsberg, George Simmal, Max Weber आदि विद्वानों ने समाजशास्त्र को परिभाषित करते हुये लिखा है कि "समाजशास्त्र अन्त: क्रियाओं का क्रमबद्ध वर्णन और व्याख्या करने वाला शास्त्र है।" (Sociology is the scientific study of social inter-action

4. समाजशास्त्र समूहों के रूप में :- H.M. Johnson, J. Nobbs, M. Flemming ने समाजशास्त्र को सामाजिक समूहों का अध्ययन करने वाली शास्त्र या विज्ञान माना है। H.M. Johnson के शब्दों में समाजशास्त्र सामाजिक समूहों का विज्ञान है।" (Sociology is the science of groups)

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि समाजशास्त्र सम्पूर्ण समाज का एक समग्र इकाई के रूप में अध्ययन करने वाला शास्त्र या विज्ञान है। इसमें सामाजिक सम्बन्धों, सामाजिक क्रिया, सामाजिक अन्त: क्रिया, सामाजिक मूल्यों तथा सामाजिक संरचनाओं पर विशेष बल दिया जाता है।

S.N. Choudhary
Marwari college, Darbhanga
15/04/2020

Scanned with CamScanner